



ग्रहों की दृष्टियां (दृष्टि) और प्रभाव

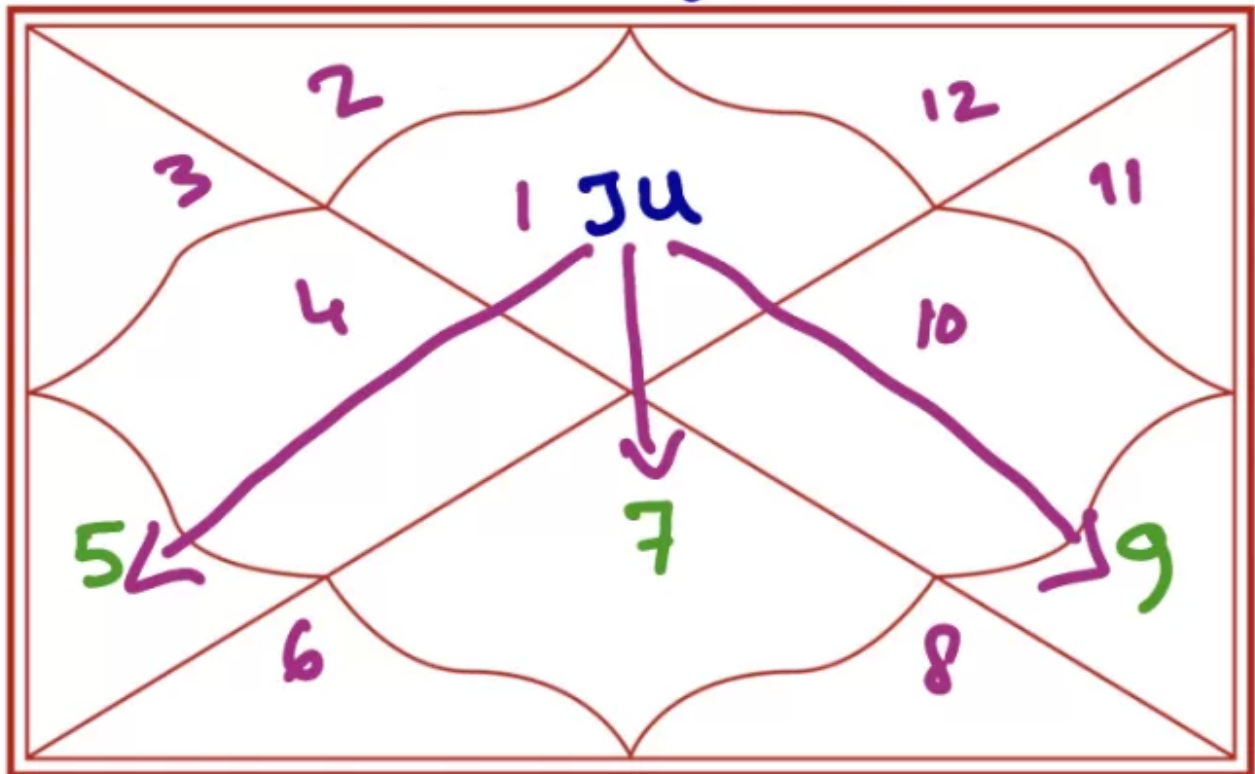
Arpita Nath द्वारा · प्रारंभिक ज्योतिषि नोट्स · 2026-07-28

वैदिक ज्योतिषि (Jyotish) में, ग्रह केवल उसी भाव को प्रभावित नहीं करते जसमें वे बैठे होते हैं - वे आपकी जन्म कुंडली (Kundli) के अन्य भावों को भी "देखते" हैं और उन पर प्रभाव डालते हैं। इस ब्रह्मांडीय दृष्टि या नज़र को ग्रह दृष्टि (Graha Drishti / Planetary Aspect) कहा जाता है।

जब कोई ग्रह किसी भाव या अन्य ग्रह पर दृष्टि डालता है, तो वह अपनी स्वाभाविक ऊर्जा, विशेषताओं और प्रभाव को आपके जीवन के उस क्षेत्र में केंद्रित करता है - कभी उस पर शुभ प्रभाव डालता है, तो कभी चुनौतियाँ खड़ी करता है।

ग्रहों की दृष्टियों के मुख्य नियम

Understanding Aspects

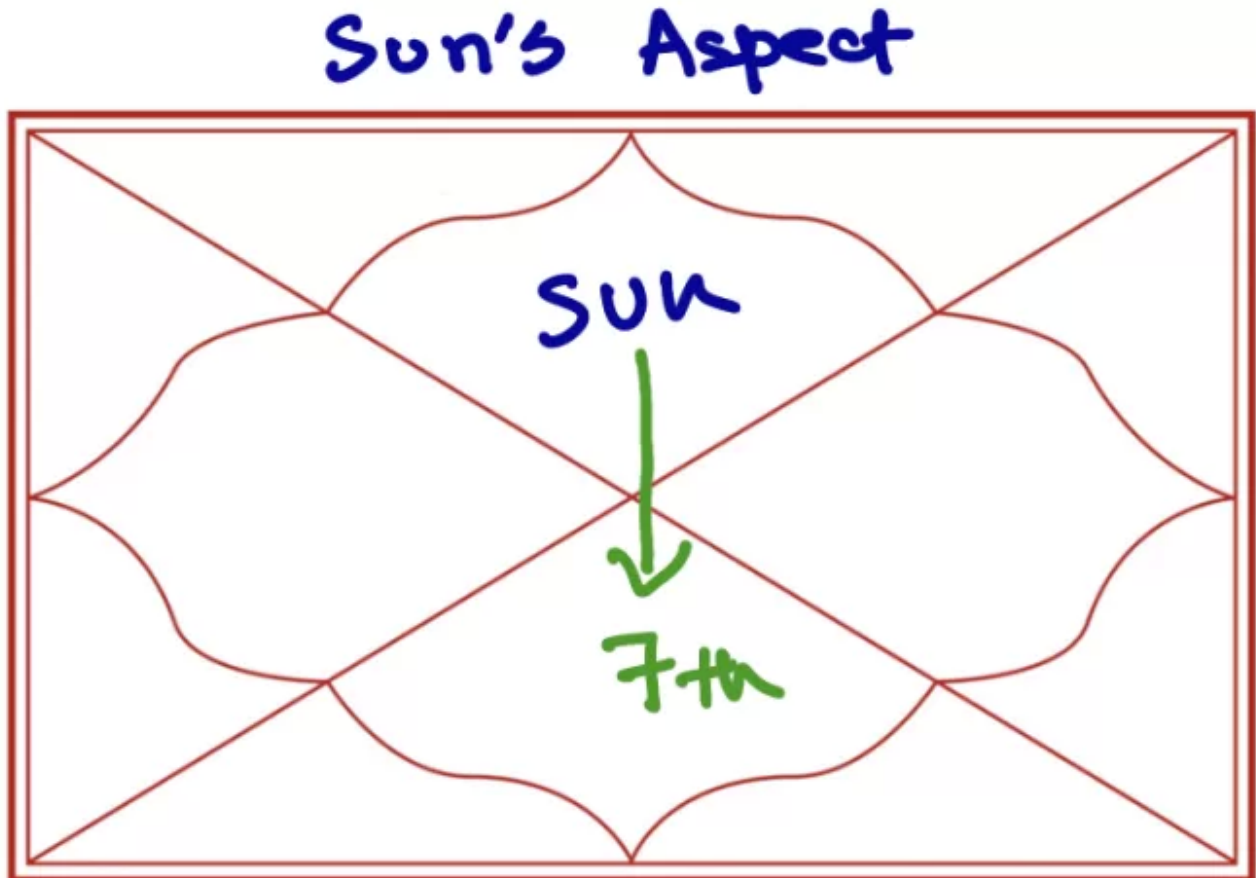


1. भाव को "1" के रूप में गनि: दृष्टियों की गणना करते समय, हमेशा उस भाव से गनिना शुरू करें जहां ग्रह वर्तमान में स्थिति है।
2. सार्वभौमिक 7वीं दृष्टि: प्रत्येक ग्रह अपने से ठीक सामने स्थिति 7वें भाव पर पूर्ण 100% दृष्टि डालता है।

3. विशेष दृष्टियां (विशेष दृष्टि): तीन ग्रहों - मंगल, बृहस्पति और शनिके पास उनकी विशाल ब्रह्मांडीय भूमिकाओं के कारण अतिरिक्त विशेष पूर्ण दृष्टियां होती हैं।

प्रत्येक ग्रह की दृष्टिका विवरण

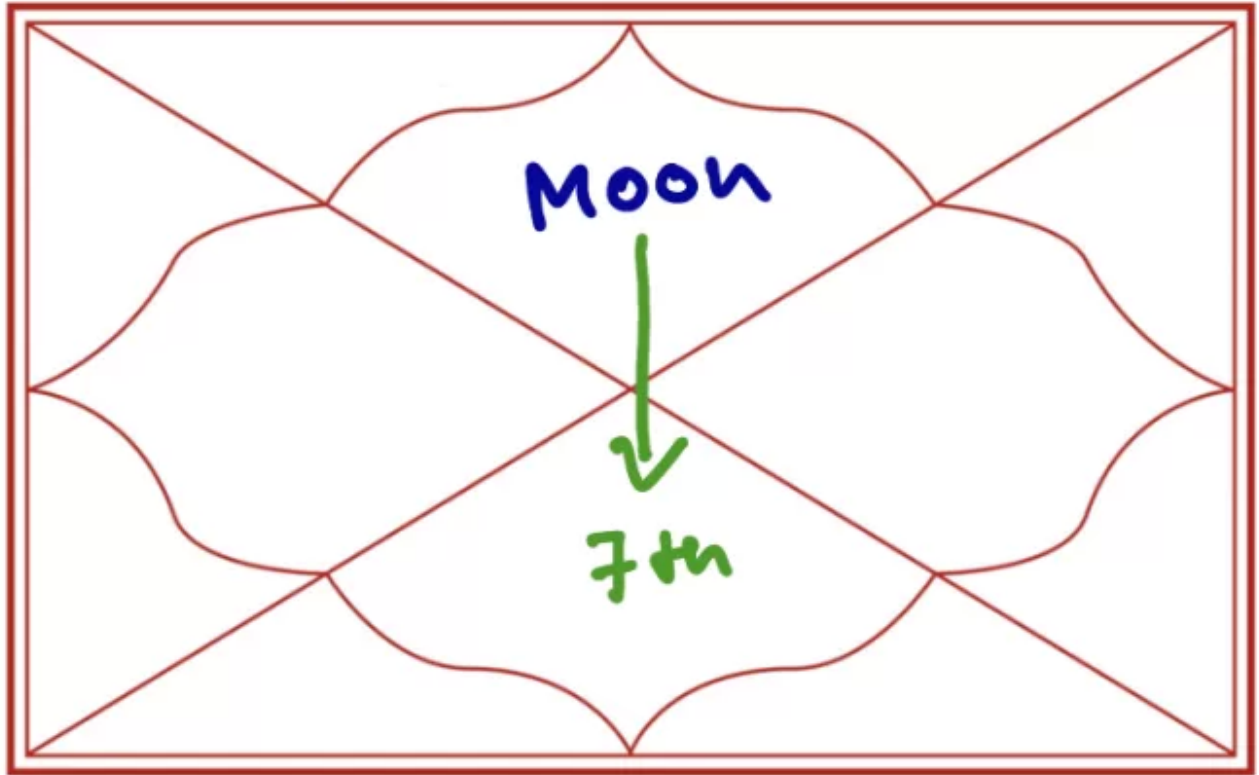
1. सूर्य (The Sun)



- **पूर्ण दृष्टि (100%):** 7वां भाव
- **दृष्टिका स्वभाव:** अपनी स्थितिसे 7वें भाव में ताप, ध्यान, अधिकार और अहंकार लाता है। यह उस भाव को प्रकाशित करता है, लेकिन संवेदनशील मामलों में तपन पैदा कर सकता है या शक्तिसिंघर्ष (पावर डायनामिक्स) बना सकता है।

2. चंद्र (The Moon)

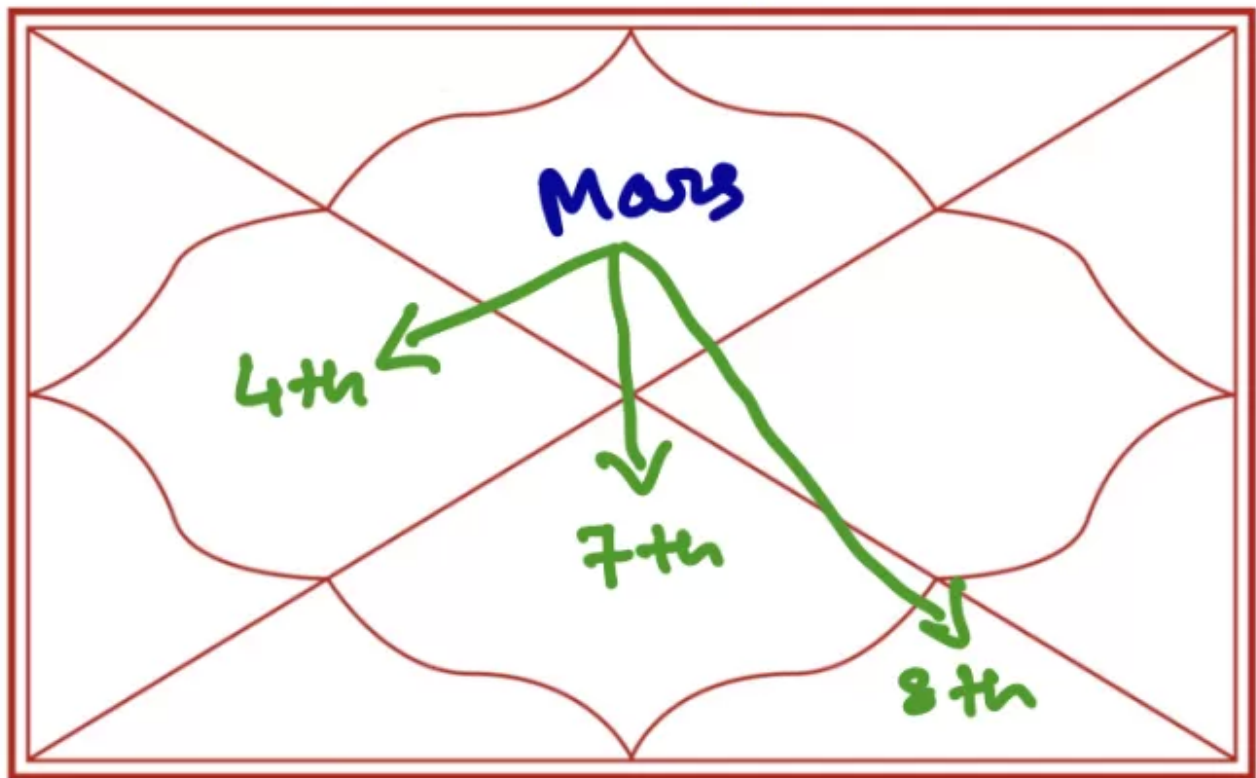
Moon's Aspect



- पूर्ण दृष्टि (100%): 7वां भाव
- दृष्टिका स्वभाव: अपने ठीक सामने वाले भाव में भावनात्मक जुड़ाव, मानसिक नविश और पोषणकारी ऊर्जा लाता है।

3. मंगल (Mars) — विशेष दृष्टियाँ

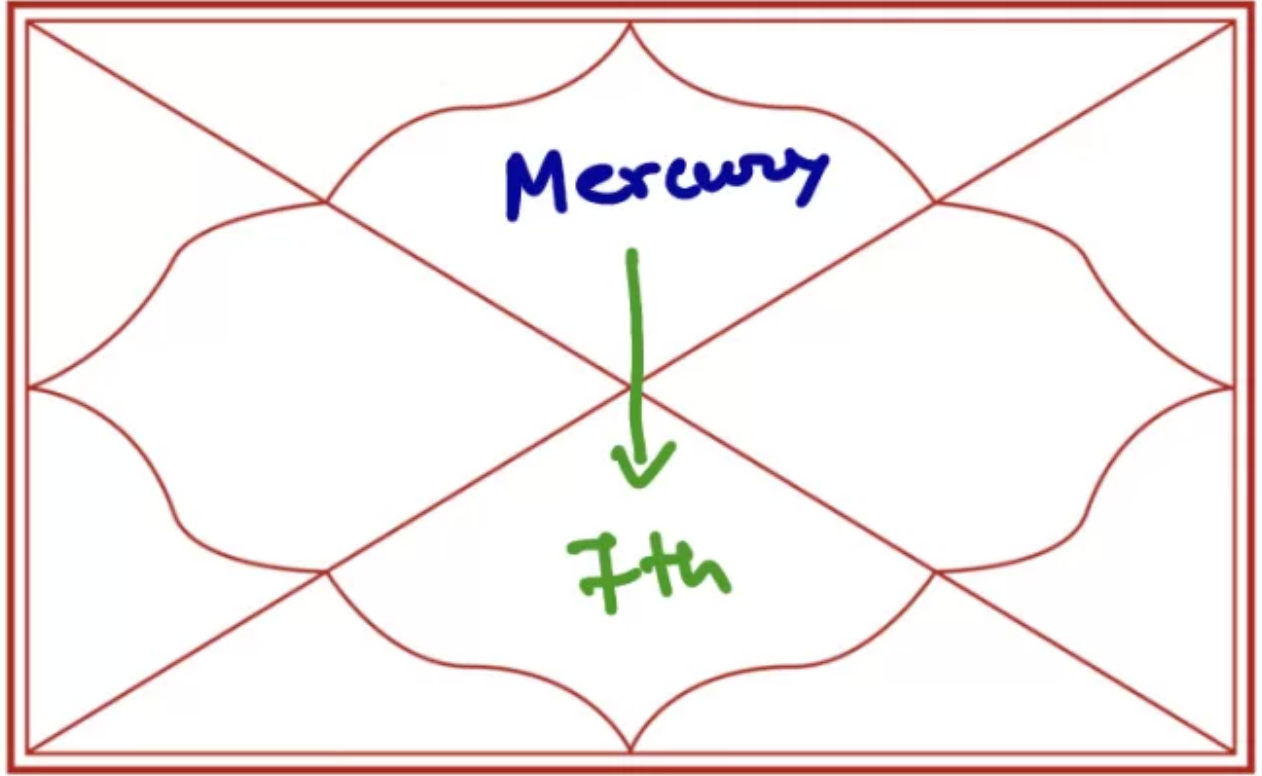
Mars's Aspect



- पूर्ण दृष्टि (100%): चौथा भाव, सातवां भाव और आठवां भाव
- दृष्टि का स्वभाव:
 - चौथी दृष्टि- घरेलू और संपत्ति से जुड़े मामलों की रक्षा करती है और उन्हें ऊर्जा प्रदान करती है।
 - सातवीं दृष्टि- साझेदारी में प्रत्यक्ष कार्रवाई और संभावित टकराव लाती है।
 - आठवीं दृष्टि- अचानक परिवर्तन और गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालती है।

४. बुध (Mercury)

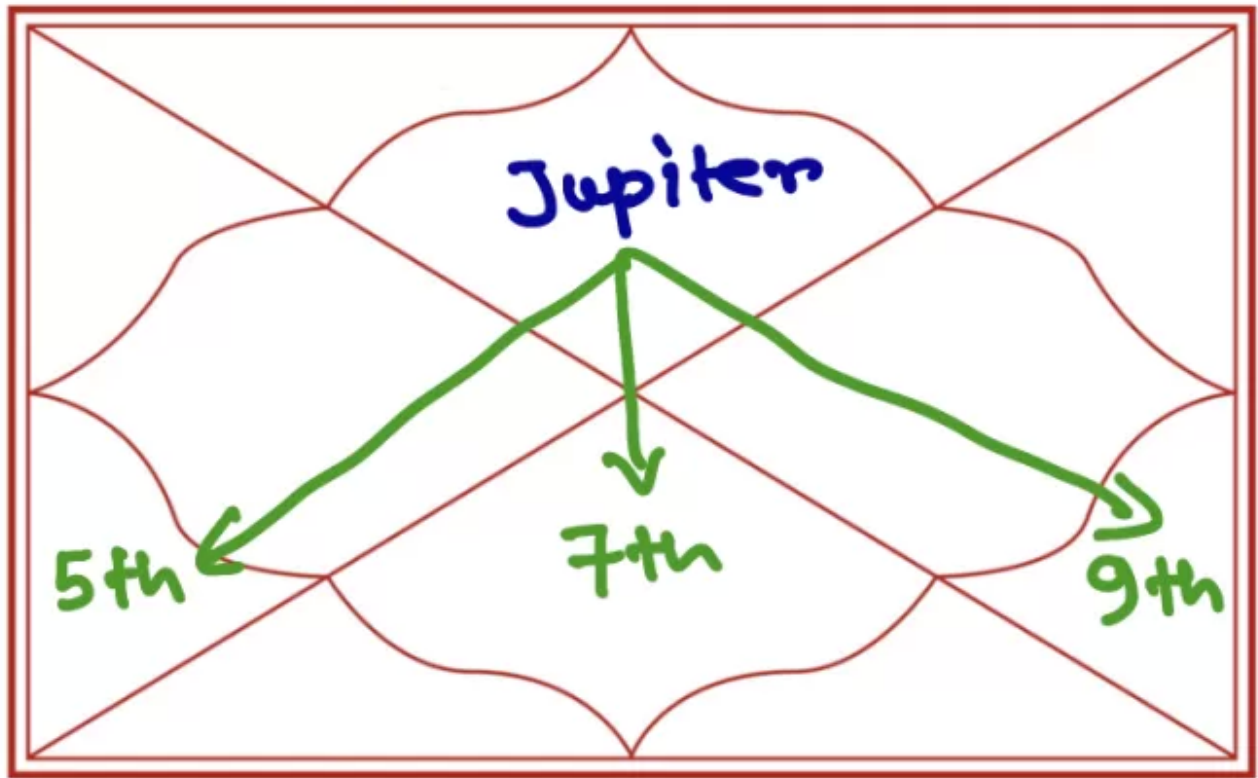
Mercury's Aspect



- पूर्ण दृष्टि (१००%): ७वां भाव
- दृष्टि का स्वभाव: अपने ठीक सामने वाले भाव में तर्क, विश्लेषणात्मक सोच, संवाद और जज्जासा लाता है।

5. गुरु / बृहस्पति (Jupiter) — विशेष दृष्टियां

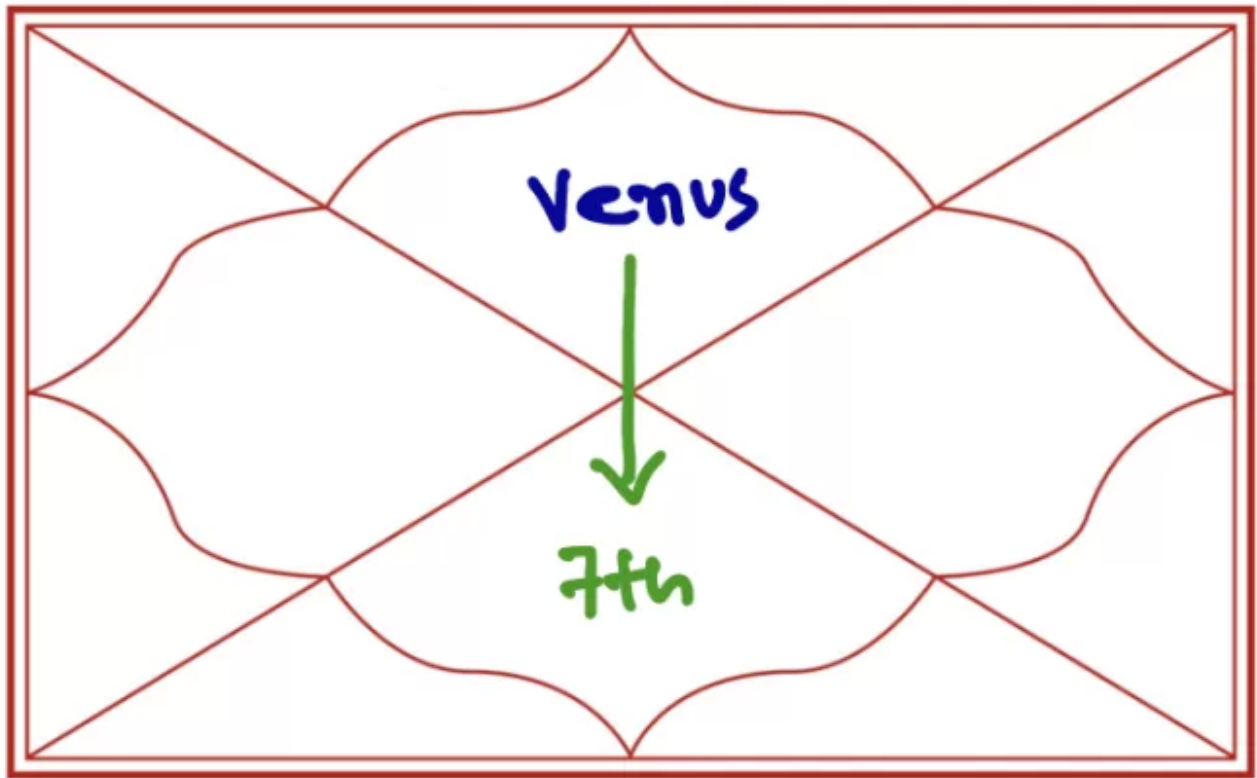
Jupiter's Aspect



- **पूर्ण दृष्टि (100%):** 5वां भाव, 7वां भाव और 9वां भाव
- **दृष्टि का स्वभाव:** अत्यंत शुभ! बृहस्पति की दृष्टि (अमृत दृष्टि) एक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करती है।
- 5वीं दृष्टि- बुद्धि, रचनात्मकता और सौभाग्य का वस्तितार करती है।
- 7वीं दृष्टि- साझेदारियों और संबंधों में सामंजस्य लाती है।
- 9वीं दृष्टि- उच्च ज्ञान, भाग्य और धर्म का आशीर्वाद देती है।

6. शुक्र (Venus)

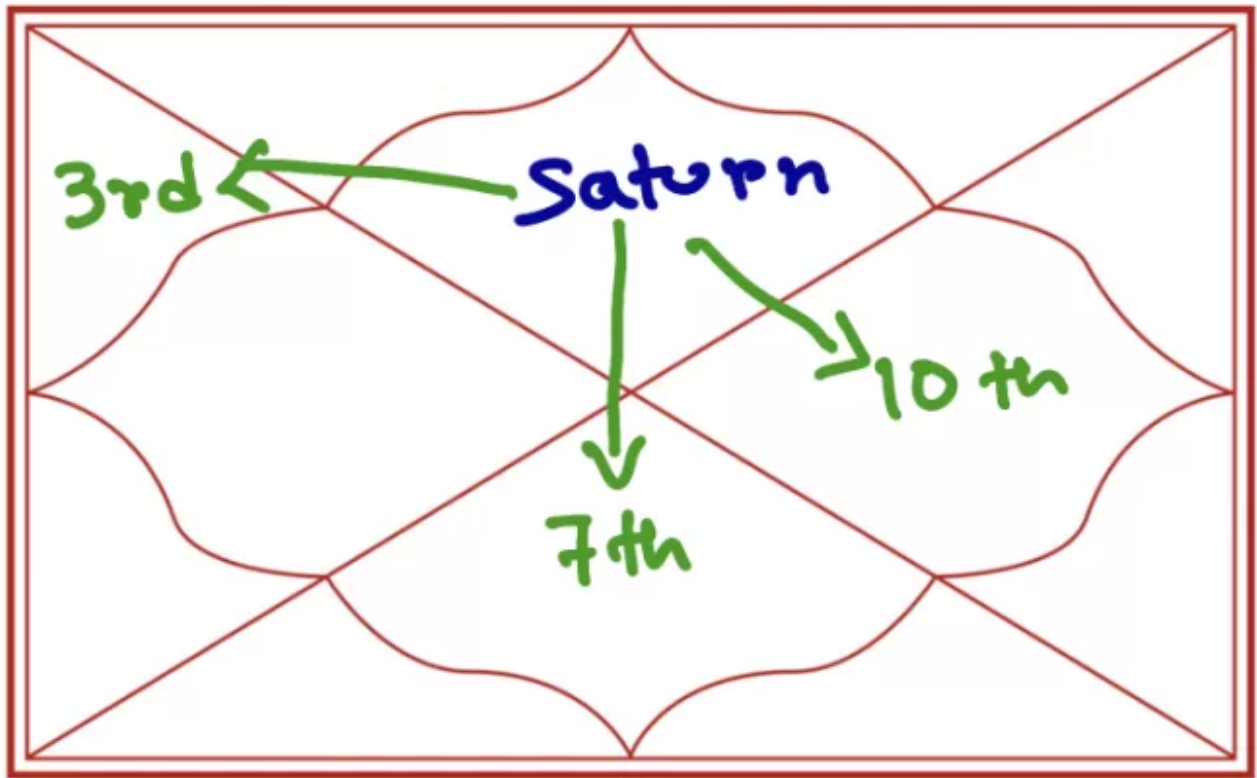
Venus's Aspect



- पूर्ण दृष्टि (100%): 7वां भाव
- दृष्टिका स्वभाव: अपने ठीक सामने वाले भाव में सौम्यता, सुंदरता, सामंजस्य, इच्छाएं और वलासति लाता है।

7. शनि (Saturn) — वशिष दृष्टियां

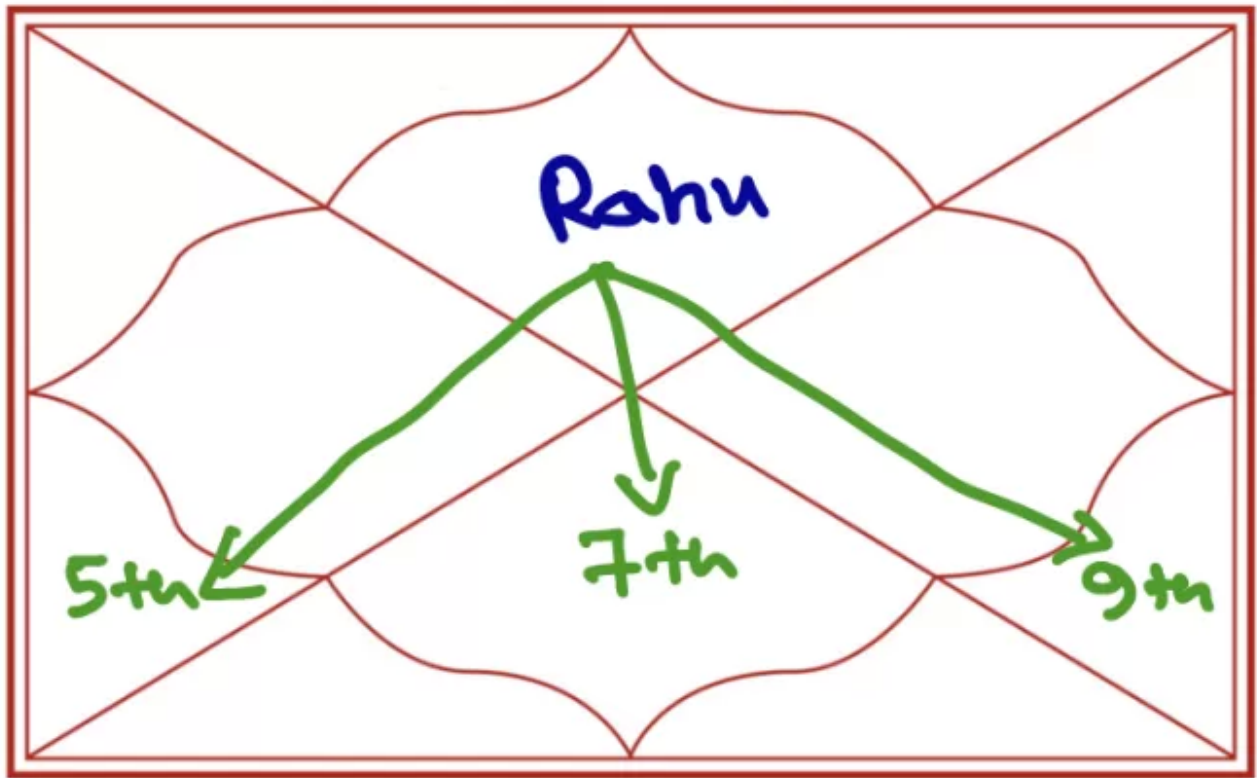
Saturn's Aspect



- **पूर्ण दृष्टि (100%):** तीसरा भाव, सातवां भाव और दसवां भाव
- **दृष्टि का स्वभाव:** अनुशासन, परपिक्वता और वलिंब की मांग करता है।
- तीसरी दृष्टि- अत्यधिक व्यक्तिगत प्रयास और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है।
- सातवीं दृष्टि- सीमाओं की परीक्षा लेती है और रशितों में दीर्घकालिक प्रतिबिद्धता की मांग करती है।
- दसवीं दृष्टि- करियर/कर्म में जम्मेदारी, कर्तव्य और नरितर कार्य नैतिकता की मांग करती है।

8. राहु (उत्तरी नोड)

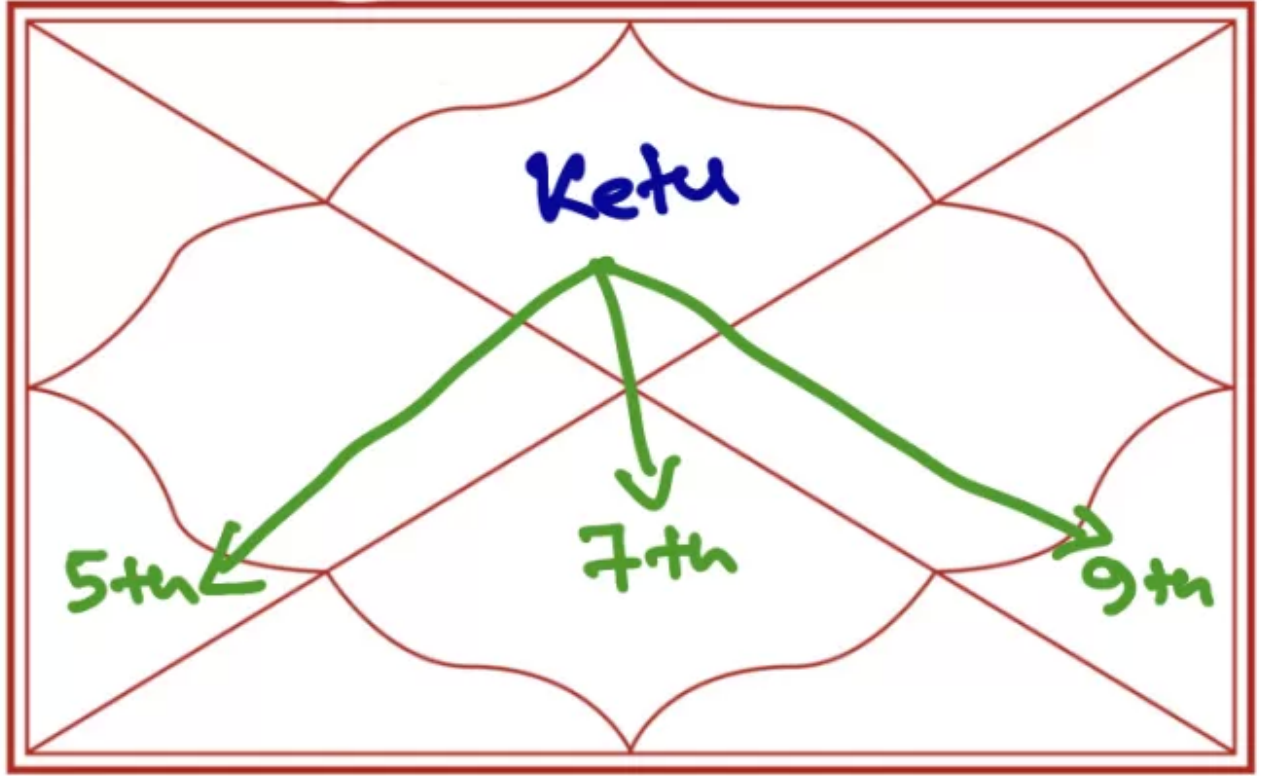
Rahu's Aspect



- **पूर्ण दृष्टि (100%):** 7वां भाव (कई परंपराएं बृहस्पतिके समान 5वीं और 9वीं विशेष दृष्टि भी मानती हैं)
- **दृष्टिका स्वभाव:** यह जसि भी भाव पर दृष्टि डालता है, उस पर अत्यधिक जुनून, लीक से हटकर इच्छाओं और अचानक वसितार की छाया डालता है।

9. केतु (दक्षिण नोड)

Ketu's Aspect



- **पूर्ण दृष्टि (100%):** 7वां भाव (कई परंपराएं 5वें और 9वें भाव पर भी विशेष दृष्टि मानती हैं; मैं व्यक्तिगत रूप से इसे मानती हूँ)
- **दृष्टि का स्वभाव:** दृष्टि वाले भाव पर वैराग्य, अचानक अलगाव, एकांत या गहरा आध्यात्मिक शोध डालता है।

त्वरति सारांश

- **बृहस्पति की दृष्टि** जिस पर भी पड़ती है, उसकी रक्षा करती है और उसका वस्तुतः करता है।
- **शनि की दृष्टि** जिस पर भी पड़ती है, उसमें देरी लाती है, अनुशासन सिखाती है और कड़ी मेहनत की मांग करती है।
- **मंगल की दृष्टि** जहाँ भी पड़ती है, वहाँ ऊर्जा भरती है, रक्षा करती है या तनाव पैदा करती है।
- **सूर्य/शुक्र/बुध/चंद्रमा** अपने ठीक सामने वाले भाव (180 डिग्री) में अपने मूल स्वभाव का सीधा प्रभाव डालते हैं।

<https://astroarpitanath.com/hindi/planetary-aspects/>

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।